तापमान
अधिकतम 31.4 डिग्री
न्यूनतम 16.6 डिग्री

हरिभूमि
बालोद भूमि
रायपुर, गुरुवार 23 अक्टूबर 2025

बालोद | अर्जुदा | गुंडरदेही | देवरी बंगला | डौंडीलोहारा | डौंडी | अंडा | गुरूर | दल्लीराजहरा | कलंगपुर | लाटाबोड़

12 वृद्धाश्रम में मनाई दिवाली, बुजुर्गों को खिलाई मिठाई

11 दीपावली मिलन में किया योग आयोग के अध्यक्ष...

खबर संक्षेप

मवेशियों को टक्कर मारते वाहन पलटा

बालोद। शहर से गुजरने वाली नेशनल हाईवे-930 पर रविवार-सोमवार की दरम्यानी रात एक बार फिर मवेशियों के झुंड के कारण सड़क हादसा हुआ। दुर्ग की ओर से दल्लीराजहरा जा रही तेज रफ्तार कार बालोद थाना के आगे मोड़ पर सड़क के बीच बैठे मवेशी को ठोकर मारते हुए जिला जेल की बाउंड्री से टकरा कर पलट गई। हादसे में कार चालक को हल्की चोटें आई हैं जबकि मवेशी की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, हादसे के ड्राइवर मौके से चला गया।

बाइक से गिरकर नशे में धुत दो युवक घायल

बालोद। ग्राम झलमला चौक के पास 20 अक्बटूर की शाम 6 बजे शराब के नशे में धुत दो युवक बाइक से गिरकर घायल हो गए। हादसे में एक युवक के हाथ–पैर में गंभीर चोटें आईं। राहगीरों ने तुरंत दोनों को सड़क से उठाकर पानी पिलाया और प्राथमिक मदद देने की कोशिश की। इस दौरान ग्रामीणो ने एम्बुलेंस और पुलिस को सूचना दी। लेकिन पुलिस एवं एम्बुलेंस आने के पहले ही दोनों युवक बाइक मौके से भाग निकले। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस मौके पर पहुंचे। मगर तब तक दोनों युवक फरार हो चुके थे। राहगीरो ने बताया कि एक युवक को काफी चोटें आई थीं, लेकिन पुलिस और एम्बुलेंस के पहुंचने की खबर मिलते ही दोनों वहां से भाग गए।

पुरानी रंजिश में युवक की पिटाई, दो पर मामला दर्ज

बालोद। ग्राम के गौरी गौरा चौक मे केसियो बजाने जा रहे युवक पर गांव के दो लोगो ने पुरानी रंजीश को लेकर हमला कर दिया। जिससे युवक घायल हो गया। जिसके बाद युवक की मां ने हमला करने वाले दो लोगो के खिलाफ रिपोर्ट लिखाई है। जिसमे पुलिस ने धारा 118(1), 296, 3(5), 351(3) बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कर लिया है। ग्राम कंवर निवासी आहिल्या टंडन ने पुलिस को बताया कि 21 अक्टूबर को रात्रि करीब 10:15 बजे मेरा बेटा मनीष कुमार टंडन घर से केसियों बजाने के लिये गौरा गौरी चौक जा रहा हूं कहकर निकला था, वह गुमान साहू के घर के पास पहुंचा था कि वहां पर उपस्थित सिब्बू विलिम्यसन उनके दोस्त कुलदीप बारले ने नशे में पुरानी बातो को लेकर ▶▶| शेष पेज 11 पर

राष्ट्रपति के हाथों आदि कर्मयोगी अभियान के लिए बालोद पुरस्कृत

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने स्क्रीन फेलिसिटेशन अवार्ड से किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत बालोद जिले में हुए उल्लेखनीय कार्यों के लिए बालोद जिले को स्क्रीन फेलिसिटेशन अवार्ड से सम्मानित किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्म ने शुक्रवार आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत 17 अक्टूबर को विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित समारोह में बालोद जिले में आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत बालोद जिले में हुए उल्लेखनीय कार्यों के लिए आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा को स्क्रीन फेलिसिटेशन अवार्ड प्रदान किया। उल्लेखनीय है कि 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक आयोजित आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत बालोद जिले के चयनित 186 जनजातीय बहुल ग्रामों में निवासरत जनजातीय परिवार के लोगों से डोर टू डोर संपर्क कर एवं इन ग्रामों में विभिन्न गतिविधियों के आयोजन के माध्यम से शासकीय योजनाओं को प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के अलावा जमीनी स्तर पर नेतृत्व को सशक्त बनाने तथा जनजातीय लोगों को मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित कराने का सराहनीय प्रयास किया गया है। इसके अलावा इस दौरान जिले के चयनित सभी 186 गांवों में ट्राईबल विलेज एक्शन प्लान एवं ट्राईबल विलेज विजन 2030 तैयार किया गया। जिसके फलस्वरूप भारत सरकार के द्वारा बालोद जिले को स्क्रीन फेलिसिटेशन अवार्ड प्रदान किया गया है।

अफसरों का सम्मान

बालोद जिले को प्राप्त इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए आज बालोद जिला प्रशासन द्वारा सयुंक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा एवं अन्य अधिकारियों ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विजय सिंह कंवर सहित एसडीएम सुरेश साहू एवं जनपद पंचायत डौण्डी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डीडी मण्डले सहित इस कार्य में सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने वाले अधिकारियों का सम्मान किया गया।

पर्व : लक्ष्मी पूजा की, अन्नकूट का किया आयोजन, गौरी-गौरा पर्व की धूम

गोवर्धन उत्सव मनाया, गायों को खिलाई खिचड़ी और बांधी सोहई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

जिले मे बुधवार को गोवर्धन पूजा मनाया गया। जिसके तहत लोगो ने अपने घरो मे गायो को खिचड़ी खिलाकर गोवर्धन पर्व मनाया। वही इस अवसर पर ग्वालो द्वारा गायो मे गाजे बाजे के साथ सोहई बांधा गया।

जिले मे गोवर्धन पूजा के दिन सुबह से ही किसानो द्वारा अपने घरो मे मौजूद मवेशीयो को नदी तालाब ले जाकर नहलाने व साफ सफाई करने के बाद खेत खलिहानो मे उगे हुए मेमरी, सिलहोटी, नए धान की बालियो, दूबी व फूलो के साथ गोबर के बनाए गए गोवर्धन पर्वत को अपने घरो मे मौजूद गौमाता को खुंदवाकर घरो मे बने कुम्हड़ा कोचई व अन्य पकवान को घर के खाट मे नए पटका बिछाकर खिचड़ी लिखाया गया। जहां गौ माता को खिचड़ी खिलाते समय परिवार के लोग भी गौ माता के साथ खिचड़ी को प्रसाद स्वरूप खाते दिखे तथा उक्त खिचड़ी को प्रसाद स्वरूप अलग कर आस पास के घरो में प्रसाद के रूप में वितरण करते दिखे।

जहां ग्रामो मे मौजूद ग्वाले स्वयं द्वारा बनाए गए सोहई को ग्रामो के घरो मे पहुंच गाजे बाजे के साथ घरो मे मौजूद मवेशीयो मे सोहई बांधते दिखे। इस दौरान मवेशीयो मे सोहई बांधने के दौरान परिजनो द्वारा ग्वालो को भेट स्वरूप दाल, चावल, कपड़े व पैसे भेट देते दिखे। जहां ग्वाले विभिन्न तरह के पारंपरिक दोहा गाते हुए नाचते गाते बाजे के धुन मे ग्राम के देवी देवता को आव्हान करते हुए तथा अपने समाज के लोगो के घरो मे उन्हे साथ लेकर ग्राम में मौजूद सांहड़ा देव दुधारू गाय से गोवर्धन खुंदवाया गया तथा खिचड़ी खिलाया गया। जिसके बाद सांहड़ा देव के पास बड़ी संख्या मे गोवर्धन के लिए रखे गए गोबर को ग्रामीण अपने साथ थोड़ा थोड़ा लेकर एक दूसरे को टीका लगाते हुए अपने दोस्तो व परिजनो के घर पहुंचकर गोबर का टीका लगाते दिखे। जहां लोग उक्त गोबर को लेकर घर पहुंचने के बाद तुलसी चौरा व कोठी तथा चावल रखने के स्थान मे लगाते दिखे। ग्राम नेवारीकला के ग्वाले विष्णु रावत, नारद रावत, गोपेन्द्र रावत, हेमु रावत ने बताया कि गोवर्धन पूजा के दिन गांव के सभी गायो मे सोहई नही बांधी जाती कुछ ही गायो मे सोहई बांधी जाती है तथा बचे हुए गायो में देवउठनी एकादशी को सोहई बांधी जाती है।

गौरा-गौरी की पूजा-अर्चना की और विसर्जन यात्रा निकाली

अंडा। गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के मोहदीपाट, ओडारसकरी, मटिया, देवगहन, चीचा, गोरकापार, भिलाई, डंगनिया, परसदा, डौकीडीह, नाहंदा, गुरेदा, सलौनी, देवरी ख, खप्परवाडा, ओटेबंद, सिरसिदा सहित अन्य जगह भी धूमधाम से गौरी-गौरा पर्व मनाया। देश के सबसे बड़े त्यौहार दीपावली पर्व पर छत्तीसगढ़ में मनाई जाने वाली गौरा गौरी विवाह गोवर्धन पूजा और राऊत जनजाति की प्रमुख मातर गांव में खुश सुख समृद्धि के साथ फसलों की अधिक पैदावार के लिए यह त्यौहार पर ग्रामीणों के लिए सबसे खास होता है। धन की माता लक्ष्मी की पूजा के पश्चात विधि विधान से ग्रामीणों के साथ गौरा गौरी शिव पार्वती जगार करते हैं। इस जगह में महिलाएं एक स्वर में गीत गाते हैं और ढोलक, डमरु, दफड़ा, गुदुम जैसे वाद्य यंत्रों के साथ नृत्य कर पूरे इलाके में भक्ति का संचार करते हैं। दीपावली की रात को लक्ष्मी पूजा के बाद गौरा गौरी की मूर्ति बनाई जाती है। गौरा गौरी को पूर्ण रूप से तैयार करने के बाद शादी की रस्म पूरी की जाती है। रात में ही बारात निकाली जाती है एवं प्रातः शोभयात्रा निकाल कर विसर्जन किया जाता है।

गौरी-गौरा विवाहोत्सव में बाराती बनने उमड़े ग्रामीण

जामगांव आर। आदिवासी बहुल ग्राम गब्दी में दीपावली की धूम के दौरान गौरा गौरी के विवाह में बाराती बनने ग्रामीणों की भीड़ उमड़ी। आदिवासी संस्कृति की अनमोल विरासत की प्रस्तुति को देख लोग आनंदित हो उठे। पौराणिक कथा अनुसार भगवान शिव और पार्वती का गौरा गौरी स्वरूप मे विवाह हुआ था। हमारे आदिवासियों लोक संस्कृति मे शिव जी को विशेष आराध्य देव माना जाता है। इसीलिए आदिवासी समुदाय द्वारा गौरा गौरी बिहाव बहुत ही हर्षोल्लास से कराने की आदि परंपरा रही है। छत्तीसगढ़ प्रदेश मुख्यतः आदिवासी बहुल संस्कृति को सहेजने के लिए जाने जाते हैं। जहां जहां आदिवासी बहुल गांव हैं वहां गौरा गौरी बिहाव का अद्भुत आनंदमय दृश्य उभरता है। गौरा गौरी की विवाह ग्राम में एक मिशाल है ग्राम के शिक्षा विद छन्नूलाल साहू ने बताया कि पाटन गोंडवाना राज समाज एक समृद्ध विरासत के धरोहर रहें हैं। इस अंचल के ग्राम गब्दी लगभग सत्तर फीसदी आदिवासी बहुल गांव हैं। यहां दिपावली पर्व पर गौरी गौरा विवाह भव्यता का अद्भुत मिसाल है। संपूर्ण आदिवासी संस्कृति, नृत्य, परिधान, रस्म रिवाज, दिपावली पर्व को बेहद हर्षोल्लास, रोमांच से सराबोर कर देता है। गांव के बाहर नौकरीपेशा मे गए लोग भी त्योहार मे आते हैं तो गौरा गौरी बिहाव मे घराती बराती बनकर आपस मे भेंट मुलाकात करते हैं।

व्यापारी की लाश अर्जुदा मैदान पर संदिग्ध अवस्था में पाई गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

दीपावली के दिन अर्जुन्दा के पास खाली मैदान में नगर के एक व्यापारी का शव संदिग्ध हालत में मिला है। जहां खेत आने जाने वाले ग्रामीणो ने ग्राम के बाहर सुनसान इलाके में खड़ी इलेट्रिरक कार देखी। पास जाने पर इलेट्रिरक कार पास शव देखकर पुलिस को सूचना दी।

पुलिस के मुताबिक, शव पूरी तरह से काला हो गया था। मामला हत्या का है कि आत्महत्या का पुलिस जांच मे स्पष्ट होगा। पुलिस सभी संभावित बिन्दूओ को ध्यान मे रख जांच कर रही हैं। मृतक की पहचान अर्जुन्दा भाठापारा के रहने वाले डगेश्वर उर्फ पप्पू देवांगन 45 वर्श के रूप में हुई है। वह अर्जुन्दा, डौंडी–लोहारा और निकुम में संचालित समाधान कृषि केंद्र का संचालक था। घटनास्थल से 2 खाली कीटनाशक की बोतलें भी पुलिस ने बरामद की है। जानकारी के मुताबिक पत्नी से तलाक का मामला चल रहा था, जिससे वह तनाव में था। पुलिस ने आत्महत्या की आशंका जताई है। फिलहाल, मामले जांच की जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही अर्जुन्दा और आस पास के ग्रामीणों की मौके पर भीड़ लग गई। मौके पर पहुंचे लोगों ने बताया कि पप्पू देवांगन पिछले तीन सालों से पारिवारिक विवाद के कारण वे मानसिक रूप से तनाव में थे। बताया गया कि उनका और उनकी पत्नी के बीच तलाक का मामला न्यायालय में चल रहा था। कई बार दोनों पक्षों के बीच समझौते की कोशिशें हुईं। लेकिन सुलह नहीं हो पाई। इसी कारण वे अक्सर तनावग्रस्त रहते थे। वे अपनी बुजुर्ग मां और 9 साल की बेटी का एकमात्र सहारा थे। अर्जुन्दा में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

पटाखे की अवैध बिक्री एक पर मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

पुलिस द्वारा पेट्रोलिंग के दौरान बिना लाईसेंस व बिना सुरक्षा उपाय के फटाका बेच रहे व्यक्ति के खिलाफ कार्यवाही करते हुए 10375 रूपये का विभिन्न फटाका जब्त किया है।

पुलिस ने व्यक्ति के खिलाफ धारा 9(ख)(1)(ख)–ईएक्सपी, 288 बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कर ली है। मिली जानकारी के अनुसार बालोद पुलिस ने ग्राम कलकासा निवासी गोपी राम ठाकुर द्वारा ग्राम कलकसा पिलेश्वरी श्रृंगार सदन के सामने आम जगह में विस्फोटक सामग्री की सुरक्षा हेतु रेत, फ्रीज फायर न रखकर आम जगह टेबल में विभिन्न प्रकार की विस्फोटक पदार्थ फटाका रखकर लोगों को बिक्री करने पर धारा 94 बीएनएसएस की नोटिस तामिल कराया गया, जिन्होने अपने कब्जे में रखे फटाकों की कोई लायसेंस नहीं होना लेख करने पर आरोपी के कब्जे से विभिन्न विस्फोटक फटाका जिसकी कीमती 10375 रूपये बताई गई को ग्राम कलकसा थाना व जिला बालोद निवासर आरोपी गोपी राम ठाकुर पिता स्व हीरा लाल ठाकुर उम्र 32 वर्ष द्वारा अवैध रूप से विस्फोटक सामग्री फटाका को अपने कब्जे में बिना लायसेंस के मानव जीवन संपटापूर्ण स्थिति में होना जानते हुए लापरवाही बरतना पाया गया।

आरोपी के खिलाफ धारा 288 बीएनएस, 9 (ख) (1) ख विस्फोटक अधिनियम का अपराध घटित करना पाये जाने से मौके पर मुताबिक गिरफतार किया गया। आरोपी का जुर्म जमानतीय किस्म का होने से जमानत मुचलका पर रिहा किया गया।

कलेक्टर ने आयोजन की गरिमा सुनिश्चित करने का अधिकारियों को दिए निर्देश

तीन दिनी जिला स्तरीय राज्य स्थापना दिवस समारोह की तैयारी की समीक्षा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा ने कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के अवसर पर पूरे राज्य में 02 से 04 नवंबर तक आयोजित होने वाली राज्योत्सव समारोह के अंतर्गत बालोद जिले में जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह का आयोजन भव्य एवं गरिमामय ढंग से सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर मिश्रा संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय–सीमा की बैठक में जिला मुख्यालय बालोद के स्व. सरयु प्रसाद अग्रवाल स्टेडियम में आयोजित होने वाली जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह के आयोजन के तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को राज्योत्सव के तीन दिवसीय कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

- विभागीय प्रदर्शनी विभागों की उपलब्धियां पर होंगी केंद्रित

धान खरीदी की समीक्षा की

बैठक मे मिश्रा ने राज्य में 17 नवंबर से शुरू हो रहे समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के तैयारियों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 15 एवं 16 नवंबर को अवकाश होने के कारण इस वर्ष 17 नवंबर से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। मिश्रा ने समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के कार्य को राज्य शासन का विशेष प्राथमिकता वाले कार्य बताते हुए इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में मिश्रा ने जिले में सड़क दुर्घटना के रोकथाम सुनिश्चित करने हेतु की जा रही उपायों की भी समीक्षा की। उन्होंने इस कार्य को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए संबंधित विभाग के अधिकारियों को जिले में सड़क दुर्घटना के रोकथाम हेतु प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इसके अंतर्गत उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट का उपयोग अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। बैठक में मिश्रा ने विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सभी विभाग प्रमुखों को निर्धारित समयावधि में लंबित प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में उन्होंने आगामी नवंबर माह में जिला मुख्यालय बालोद में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता एवं सांसद खेल महोत्सव के सफल आयोजन के तैयारियों की भी समीक्षा की। कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को इन दोनों महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के सफलतापूर्वक आयोजन सुनिश्चित करने हेतु सभी तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

विभिन्न विभागों में प्रदर्शनी लगाने की तैयारी

बैठक में कलेक्टर मिश्रा ने जिला स्तरीय राज्योत्सव समारोह के अंतर्गत विभिन्न विभागों को सौंपे गए दायित्वों के संबंध में भी जानकारी दी। मिश्रा ने राज्योत्सव स्थल में विभिन्न विभागों को प्रदर्शनी लगाकर अपने–अपने विभागों के उपलब्धियों एवं विकास कार्यों प्रदर्शित करने के निर्देश भी दिए। इसके अलावा उन्होंने समारोह में सभ्य, शालिन एवं गरिमामय ढंग से सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने राज्योत्सव समारोह के अंतर्गत आमंत्रण पत्रों की छपाई एवं वितरण, निर्बाध विद्युत व्यवस्था एवं कानून व्यवस्था सहित अन्य सभी कार्यों को सुचारू रूप संपादित करने के संबंध में आवश्यक दिशा–निर्देश दिए।

दीपावली के कारण बसों का संकट यात्री हुए परेशान, ट्रेनों में की यात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दल्लीराजहरा

दीपावली और गोवर्धन पूजा पर्व के चलते दल्लीराजहरा से दुर्ग, राजनांदगांव, रायपुर, धमतरी, भानुप्रतापपुर, पखांजूर, कांकेर, कोंडागांव और जगदलपुर रूट की बसें पूरी तरह बंद हैं। दल्लीराजहरा के बस संचालकों ने बताया कि गोवर्धन पूजा के बाद 23 या 24 अक्टूबर से बसों का संचालन आंशिक रूप से शुरू किया जाएगा, जबकि रविवार या सोमवार से नियमित सेवा बहाल होने की संभावना है। त्योहारी सीजन में अधिकतर बसें बंद होने से यात्रियों के लिए ट्रेन ही अब एकमात्र सहारा बचा है। त्योहारी असर से बस स्टैंड सूने, ट्रेन में भारी भीड़ दुर्ग–नांदगांव–धमतरी–दल्लीराजहरा रूट पर तीन दिनों से बसों के पहिए थमे हुए हैं। रविवार, सोमवार और मंगलवार को कुछेक बसें ही चलीं, जबकि बुधवार और गुरुवार (23 अक्टूबर तक) तक बस संचालन पूरी तरह बंद रहने की संभावना है। ग्रामीण इलाकों में 22 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा मनाए जाने के कारण सवारी की कमी भी देखने को मिल रही है। बस मालिकों का कहना है कि यात्रियों की संख्या बहुत कम है, इसलिए परिस्थिति के अनुसार बसें धीरे-धीरे चलाई जाएंगी।

- आज या कल से बस सेवाओं के सामान्य होने की संभावनी

ट्रेनें चलेंगी अपने तय समय पर, सीटें मिलना मुश्किलः बसें बंद होने से अब लोग रेलवे का रुख कर रहे हैं। दल्लीराजहरा से दुर्ग, अंतागढ़ से रायपुर और ताड़ोकी से रायपुर तक ▶▶| शेष पेज 11 पर

खबर संक्षेप

ज्ञान प्रोत्साहन योजना, आवेदन 31 तक

कवर्धा। मुख्यमंत्री ज्ञान प्रोत्साहन योजना अंतर्गत सत्र 2025-26 में जिले के विद्यार्थियों के चयन की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में जिले के कुल 77 विद्यार्थियों की सूची प्राप्त हुई है, जिन्हें ऑनलाईन आवेदन प्रस्तुत करना है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कक्षा 10वीं के अनुसूचित जाति वर्ग के 18, अनुसूचित जनजाति वर्ग के 12 तथा कक्षा 12वीं के अनुसूचित जाति वर्ग के 29 और अनुसूचित जनजाति वर्ग के 18 विद्यार्थी योजना हेतु चयनित किए गए हैं। योजना के अंतर्गत ऑनलाईन आवेदन पूर्ण करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर 2025, सायं 05:00 बजे तक निर्धारित की गई है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने ग्राम सेमरहा के बच्चों के साथ मनाई दीपावली

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

दीपावली के अवसर पर पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने ग्राम रणवीरपुर में ग्राम सेमरहा से आए बच्चों के साथ दीपावली मनाई। उन्होंने समस्त प्रदेशवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी और सबके मंगलमय जीवन और छत्तीसगढ़ प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान भावना बोहरा के साथ ग्राम सेमरहा के बच्चों ने मुलाकात कर उन्हें दीपावली की बधाई दी, उनके साथ पटाखे फोड़े, एक दूसरे का मुंह मीठा किया और विधायक भावना बोहरा के साथ रात्रि भोजन भी किया। भावना बोहरा ने बच्चों को ढेर सारी बधाई और आशीर्वाद दिया, उन्हें खूब मन लगाकर पढ़ाई करने की बात कही। बच्चों ने बड़े ही उत्साह और उल्लास के साथ दीपावली मनाई। इस दौरान उनके चेहरों पर खुशी देखते ही बन रही थी। इस अवसर पर भावना बोहरा ने कहा कि आज दीपावली के अवसर पर ग्राम सेमरहा के बच्चों का आगमन हुआ। उनके साथ दीपावली मानकर मन को बहुत ही सुखद अनुभूति हुई। उनके चेहरों की मुस्कान और खुशी देखकर मन को यह संतोष है कि एक अभिभावक के रूप में मैंनें उनके प्रति जो जिम्मेदारी ली है उसे हमेशा पूरी करती रहूंगी। ये सभी बच्चे मेरे परिवार का हिस्सा है इसलिए मेरा हमेशा यही प्रयास रहा है कि हर त्योहार में उनके साथ रहूं, उन्हें किसी भी प्रकार की कोई कमी न होने दूं, उनके परिजन उन्हें जो खुशियां देते उन्हें मैं पूरा कर सकूं, मेरा बस यही प्रयास है। उनकी शिक्षा में कोई अवरोध न आए, उनका भविष्य उज्ज्वल और सुरक्षित हो इसके लिए मेरी जो भी जिम्मेदारी बनती है उसे मैं हमेशा निभाऊंगी। उनके हर सुख-दुख, तीज-त्योहार में मैं उनके साथ हूं। उनके परिजनों की कमी को तो मैं पूरा नही कर सकती लेकिन, मेरा एक ही लक्ष्य है कि उन्हें अपने जीवन मे आगे बढने, सफल होने और सही राह चुनने के लिए मैं एक माध्यम बन सकूं। किसी भी परिस्थिति में उन्हें अकेला और अपने परिजनों की कमी महसूस न हो इसके लिए मैं हमेशा प्रयास करती रहूंगी। उनसे एक भावनात्मक जुड़ाव भी है उन्हें कोई तकलीफ न हो किसी भी चीज की कमी न हो इसके लिए मैं लगातार उनसे संपर्क में रहती हूं और विशेष पर्व और त्योहार में उनके साथ मिलकर मानना मुझे स्वयं को एक सुखद अनुभव प्रदान करता है। भावना बोहरा ने आगे कहा कि आज दीपावली का पर्व है। यह पर्व न केवल हमारी परंपराओं का प्रतीक है, बल्कि धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक मूल्यों का संगम भी है। भगवान श्री राम के 14 वर्ष के वनवास के पश्चात अयोध्या लौटने की खुशी में पूरा देश उनके आगमन का उत्सव बड़े ही धूम-धाम से मनाते हैं। प्रभु श्रीराम जी के आदर्शों को लेकर हम आगे बढ़ रहे हैं और एक जनप्रतिनिधि के रूप में अपने दायित्वों को पूरा करने का मैंने हमेशा प्रयास किया। इस प्रयास में पंडरिया विधानसभा की प्रत्येक जनता का मार्गदर्शन, सुझाव एवं सहयोग मुझे मिलता रहा है और मुझे विश्वास है आगे भी यह सहयोग हमें प्राप्त होता रहेगा।

पंडरिया क्षेत्र का किया जा रहा है निरंतर विकासः भावना

कार्यक्रम के दौरान पंडरिया विधायक श्रीमती भावना बोहरा ने कहा कि पंडरिया विधानसभा को समृद्ध बनाने के लिए निरंतर विकास व अधोसंरचना निर्माण कार्यों को हम गति दे रहें हैं, जनता की मूलभूत सुविधाओं का विशेष ध्यान रखकर उसका विस्तार कर रहें हैं। महिलाओं के सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, सुशासन एवं किसानों के कल्याण के लिए हमारा प्रयास निरंतर जारी है।

वारदात: सब्बल से सिर पर किया प्राणघातक हमला, मौके पर मौत, आरोपी गिरफ्तार

आपसी विवाद के बीच पति ने पत्नी को उतारा मौत के घाट

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा/पाण्डातराई

त्यौहारों के इस सीजन में जिले के पाण्डातराई थाना क्षेत्रांतर्गत ग्राम सोढ़ा में पति-पत्नी के बीच हुए आपसी विवाद में पति ने अपनी पत्नी के सिर में सब्बल से प्राणघातक वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव बरामद कर आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। आगे की कार्यवाही की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम सोढ़ा निवासी श्रीमती अश्वनी बाई गेंड्रे, उम्र लगभग 45 वर्ष का बुधवार की सुबह करीब 4-5 बजे किसी बात को लेकर अपने पति परशुराम गेंड्रे से विवाद हो गया। बताया जाता है कि पति-पत्नी के बीच विवाद इतना बढ़ा की पति ने अपना आपा घोते हुए घर में ही रखी सब्बल से अपनी पत्नी के सिर पर प्राणघातक वार कर दिया। महिला के सिर पर सब्बल की चोट इतना घातक की थी उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की जानकारी पीड़िता के परिजनो और आसपास के लोगों की लगने के बाद मौके पर जमावड़ा लगा गया और घटना की जानकारी तत्काल पाण्डातराई पुलिस को दी गई।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव बरामद कर आरोपी पति को हिरासत में ले लिया। वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस आगे की पूछताछ और कार्यवाही कर रही है। लेकिन अभी तक इस बात खुलासा नहीं हुआ है कि हत्या की वजह क्या है और किन स्थिति परिस्थितियों के दौरान आरोपी ने यह कदम उठाया है।

पति-पत्नी में विवाद का कारण अज्ञात

अभी इस बात की जानकारी नहीं मिल पा है कि आखिर पति-पत्नी के बीच किस बात को लेकर विवाद हुआ था और विवाद के बीच ऐसा क्या हुआ कि पति ने अपना आपा खोते हुए अपनी पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। बहरहाल पुलिस इन सारी बातों का पता लगाने में जुटी हुई है। पुलिस ने मौके से घटना में प्रयुक्त सब्बल बरामद कर लिया है।

कवर्धा नगर सहित अंचल में धूमधाम से मनाई गई दीपावली

लोगों ने विधि विधान से की पूजा अर्चना, देररात तक की आतिशबाजी

- पर्व को लेकर सभी वर्गों में दिखा भारी उत्साह और उमंग

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

दीपोत्सव का महापर्व 20 अक्टूबर को परम्परागत रूप से उल्लास पूर्वक मनाया गया। शाम को शुभ मुहुर्त में महा लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना की गई तथा सुख समृद्धि का आशिर्वाद मांगा गया।

देर शाम पूजा अर्चना के बाद समूचा शहर आतिशी धमाकों से गूंजने लगा। लोगों ने एक दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएं दी। दीप पर्व के रोज समूचा नगर दुल्हन की तरह सजाया गया था। हर घर और व्यवसायिक प्रतिष्ठानो में रंग बिरंगी रोशनी जगमगा रही थी। गुमठियों से लेकर छोटे-बड़े व्यापारिक, प्रतिष्ठानों, मकानों आदि की साफ सफाई और रंग रोगन कर चकाचक चमका दिया गया था। दीवाली मनाने का सिलसिला धनेतरस से ही शुरू हो चुका था। मुहुर्त के अनुसार लोगों ने धनतेरस के दिन अपने सामर्थ के हिसाब से सोने चांदी के जेवरातों, नेंग के बर्तन की खरीदी कर ली थी। धनतेरस की रात शहर के राऊतों, ठेठवारों, पहारियों ने अपने किसानों, मालिक ठाकुरों के घर जा कर गौ धनो को रस्मो रिवाज से सोहई बांधी और सोहई बांधने के दौरान छत्तीसगढ़ी में दोहा गाकर उनकी सुख समृद्धि की कामना की। 20 अक्टूबर को शुभ मुहूर्त लगते ही व्यापारिक प्रतिष्ठानों, घरों में महा लक्ष्मी की पूजा अर्चना की गई तथा मंगलमय समृद्धि कारक शुभ फल का आशिर्वाद मांगा गया।

लक्ष्मी पूजन के पश्चात समुचे शहर में आतिशी धमाकों के साथ एक दूसरे को बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। हर वर्ग व आयु समूह के लोग पारम्परिक धोती, कुर्ता पोशाकों के अलावा अधुनातन पोशाकें धारण कर दीवाली की खुशियां बिखेर रहे थे। रंग बिरंगे वस्त्र धारण कर गृहणियां, बहु बेटियां थाल पर रखे दीपकों को घरों की देहरियां, दरवाजों, आंगन पर सजाकर दीपमल्लिका पर्व को रोशन कर रही थी। इस अवसर पर घरो व दुकानों को आकर्षक बिजली के डालरों से सजाया गया था और नगर रंग बिरंगी रोशनी सराबोर रहा।

लक्ष्मी पूजन के पश्चात करपात्री चौक, शीतली मंदिर चौक, सराफा बाजार, महावीर स्वामी चौक, आजाद चौक, नवीन बाजार चौक, इंदिरा चौक जैसे व्यस्त व्यवसायिक इलाकों सहित गलि-मुहल्लों में दनादन पटाखे फूटने लगे और अनार दाना, फल छड़ी, सांप गोली, राकेट, लड़ियों आदि की तेज रोशनी शहर जगमगा उठा। दीपोत्सव पर बच्चों और युवा वर्ग में खासा उत्साह देखा गया।

छोटे बड़े व्यापारियों, राजनेताओं, जनप्रतिनिधियों, नागरिकों, अधिकारियों, कर्मचारियों आदि ने घूम-घूम कर दीपोत्सव की हार्दिक शुभकामनांए दी। तथा एक दूसरे को बधाई संदेश, मिठाई व उपहार आदि भेंट किया। कुल मिलाकर दीपोत्सव का पर्व कवर्धा नगर सहित समूचे जिले में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

भाईदूज का त्यौहार आज

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

भाई दूज कार्तिक मास के शुक्लपक्ष की द्वितीया तिथि को मनाया जाता है। इस बार भाई दूज का त्योहार 23 अक्टूबर, गुरुवार को मनाया जाएगा। जानकारों के मुताबिक 23 अक्टूबर को दोपहर 01 बजकर 13 मिनट से 03 बजकर 28 मिनट तक भाईयों को तिलक करने का शुभ मुहुर्त रहेगा।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दीपावली पर स्थानीय बाजार में की खरीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने दीपावली पर्व के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लोकल फॉर वोकल के संदेश को आत्मसात करते हुए कवर्धा में स्थानीय बाजार में पहुंचकर खरीदी की। उन्होंने कहा कि त्योहारों के अवसर पर स्थानीय उत्पादों की खरीदी से न केवल छोटे व्यवसायियों और कारीगरों को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि स्वदेशी अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा अपने चिरपरिचित सरल और सहज अंदाज में मोटरसाइकिल से कवर्धा भ्रमण करते हुए स्थानीय बाजार पहुंचे। उन्होंने दुकानदारों और नागरिकों से आत्मीयता पूर्वक मुलाकात की तथा सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। स्थानीय व्यापारियों ने उपमुख्यमंत्री के इस कदम की सराहना करते हुए कहा कि इससे आमजन में लोकल फॉर वोकल के प्रति जागरूकता और बढ़ेगी। उन्होंने रोड किनारे बैठे दुकानदारों से दीपक, पूजा समाग्री, कमल, सिंघाड़ा, धान की बाली और अन्य वस्तुएं ख री दी । दीपावली के इस शुभ अवसर पर उपमुख्यमंत्री ने सभी से स्वदेशी उत्पादों को अपनाने और स्थानीय उद्योगों को समर्थन देने का आग्रह किया। उन्होंने स्थानीय होटल में जाकर बच्चों और स्थानीय लोगों के साथ नास्ता भी किया।

गोवर्धन पूजा कर पशु धन को खिलाया गया अन्य कूट

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

वर्षो पुरानी सनातनी परम्परा का निर्वाहन करते हुए कवर्धा सहित अंचल में बुधवार को गोवर्धन पूर्व मनाया गया। मान्यता के अनुसार इस पर्व विशेष में मुख्य रूप से गांय के गोबर से गोवर्धन पर्वत की आंकृति बनाकर उसकी विधि विधान से पूजा अर्चना की और गौ माता को अन्य कूट खिलाया गया। बुधवार को गोवर्धन पूजा के दिन लोगों ने गाय के गोबर से गोवर्धन की मानव आकृति बनाकर उसके चारों तरफ गाय, बछड़े व अन्य पशुओं के साथ बीच में भगवान श्री कृष्ण की आकृति बनाई गई तथा 5 प्रकार के सब्जियों द्वारा निर्मित अन्नकूट एवं दही, बेसन की कढ़ी द्वारा गोवर्धन का पूजन एवं भोग लगाया गया। गाय को देवी लक्ष्मी का प्रतीक मानकर लक्ष्मी पूजा के बाद गौ पूजा की भी परंपरा निभाई। इसी परंपरा का निर्वहन करते हुए लोगों ने धूमधाम के साथ गोवर्धन पूजा की। मान्यता है कि इसी दिन भगवान श्री कृष्ण ने गोकुल में भगवान श्री कृष्ण ने लोगों प्राकृतिक आपदा से बचाने के लिए गोवर्धन पर्वत को अपनी ऊंगली में धारण किया था। तभी से इस पर्व में को मनाया जा रहा है।

पुलिस स्मृति दिवस पर नाम वाचन कर शहीदों को दी गई श्रद्धांजली

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा

कबीरधाम पुलिस अधीक्षक धर्मेंद्र सिंह के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेंद्र बघेल व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल की उपस्थिति में देश की रक्षा के लिए अपने कर्तव्य का निर्वाहन करते हुए अपने प्राणों की आहुती देने वाले देश के अमर वीर शहीदों को दिन मंगलवार 21 अक्टूबर को कबीरधाम जिले के पुराने पुलिस लाईन में स्थित शहीद स्मारक स्थल पर पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में भावभीनी श्रद्धांजली अर्पित की गई। कबीरधाम जिला के पुलिस कप्तान धर्मेंद्र सिंह द्वारा समारोह को संबोधित करते हुए कहा गया कि 21 अक्टूबर 1959 में लद्धाख में तीसरी बटालियन की एक कंपनी को भारत तिब्बत सीमा सुरक्षा के लिये लद्धाक में हाट स्प्रिंग में तैनात किया गया था। कपंनी को टुकड़ी में बाटकर चौकसी करने को कहा गया था। जब बल के 21 जवानों का गश्ती दल हाट स्प्रिंग में गश्त कर रहा था, तभी चीनी फौज के एक बहुत बड़े दस्ते ने इस गश्ती टुकड़ी पर घात लगाकर आक्रमण कर दिया, तब भारतीय बल के मात्र 21 जवानों ने चीनी आक्रमणकारियों का डटकर मुकाबला किया व मातृभुमि की रक्षा के लिये लड़ते हुए 10 शूरवीर जवानो ने अपने प्राणो का बलिदान देश के लिए दिया। हमारे जवानों के लिये व हम सबके लिये यह गौरव की बात है, कि केन्द्रीय पुलिस संगठनो व सभी राज्यो की पुलिस द्वारा पुलिस स्मृति दिवस के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है।

दो दिनो तक चला गौरा-गौरी उत्सव, धूमधाम से रचाया गया गौरा-गौरी का विवाह

धूमधाम से मनाया गया गौरा उत्सव, दिनभर होते रहा विसर्जन

फाईल फोटो

हरिभूमि न्यूज ⏭कवर्धा।

अमुमन दीपावली के दूसरे दिन मनाया जाने वाली गौरा गौरी उत्सव इस बार दीपावली के तीसरे दिन कवर्धा सहित समूचे अंचल में धूमधाम व हर्षोल्लसा के साथ मनाया गया। बुधवार को गोवर्धन पूजा के साथ-साथ नगर तथा अंचल के लोगों ने पारंपरिक रूप से गौरा-गौरी उत्सव भी बनाया।

भगवान शंकर व पार्वती के विवाह उत्सव में शामिल लोगों ने नगर के विभिन्न स्थानों में भगवान गौरा-गौरी के विवाह मण्डप बनाकर बरात निकाली तथा विवाह की दूसरी रस्म अदा की। इस अवसर पर बैंड तथा सींग बाजे के उत्तेजक धुन पर नाचते गाते लोगों ने नगर के प्रमुख मार्गो का भ्रमण कर स्थानीय राधा कृष्ण बड़े मंदिर तालाब पर मण्डप विसर्जित किए। प्रतिवषानुसार इस वर्ष भी नगर में परम्परागत ढंग से गौरा-गौरी का त्यौहार हर्षोल्लास व धूमधाम से मनाया गया। पूरे दो दिनों तक चलते वाले इस उत्सव में नगरवासियों ने सामूहिक रूप से हिस्सा लेकर विवाह की रस्मे निभाई।

गौरा समितियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार दीपावली के प्रथम दिवस धनतेरस को गौरा पर्व प्रारंभ हो जाता है। गोरा पर्व में दीपावली अमावस्या को गौरा मण्डप बनाने हेतु गाजे-बाजे के साथ दूर नदी तट से मिट्टी लाई गई तथा परम्परा के अनुसार देररात तक विधि विधान से गौरा-गौरी की मूर्ति, मण्डप व भीम सेन की प्रतिमा बनाई गई। तत्पश्चात विवाह की रस्मे निभाई गई। रंग बिरंगी चमकीली कागजों से सजाई गई इन प्रतिमाओं को ब्रम्ह मुहुर्त में परघाकर गौरा चौरा में विराजित किया गया।

जहां लोगों ने गौरा गौरी की विधि विधान से पूर्जा अर्चना की और नगर में शोभायात्रा निकाली गई। गौरा समितियों के सदस्यों के अनुसार इस उत्सव के दौरान कुछ लोगों को गौरा देव भी चढ़ते है। जिससे वे उत्सव में बज रहे गौरा के उत्तेजक धुन पर नाचते है। इन्हें शांत करने के लिए कई प्रकार के जतन किये जाते है। जिसमें होंम, धूप, बोड़ा, पानी, शराब व सांट आदि शामिल है। सामान्य प्रयास के विफल होने पर उनके मांग के अनुरूप पुरूषों को बम शब्द के साथ सांट व महिलाओं के हांथों में बोड़ा अर्थात रस्सी के द्वारा जलता हुआ तेल की बूंद गिराई जाती है तब उन पर आए गौरा देव या वीर शांत होते है।

ग्रामीण अंचलों में भी उत्सव की रही धूम

ग्रामीण अंचालों में भी गौरा-गौरी की धूम रही। पर्व के मौके पर गांव-गांव में गौरा गौरी की स्थापना की और बाजे गाजे के साथ मंगलवार को सुबह से पूजा पाठ के साथ उनका विसर्जन किया गया। गामीण अंचल के ग्राम गुढ़ा-सोनपुरी, केसली, तमरुवा, नवागांव, बिपतरा, कोयलारी, मरका, कुण्डा, चिल्फीघाटी, पाण्डतराई, कोलेगांव, कोढवागोड़ान सहित अन्य गावों में गौरा गौरी उत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। जिसमे गौरा-गौरी की स्थापना की गई, तीन दिवसीय इस कार्यक्रम में लोगों का उत्साह देखते ही बनर रहा था। लोगों ने पूरी श्रृद्धा भक्ति के साथ गौरा-गौरी का ब्याह रचाया और उत्सव मनाया।

आयोजन : छग योग आयोग अध्यक्ष सिन्हा का जामगांव आर में स्वागत किया गया

दीपावली मिलन में किया योग आयोग के अध्यक्ष ने समाजसेवियों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जामगांव आर

छत्तीसगढ़ शासन से कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त होने के बाद पहली बार मंगलवार को अपने गृह ग्राम कुम्हली प्रवास करते हुए छत्तीसगढ़ योग आयोग अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा जामगांव आर में दीपावली पारिवारिक मिलन समारोह में नीरज लोकेश सिन्हा के साथ पहुंचे। श्री सिन्हा ने उत्कृष्ट समाजसेवियों का सम्मान भेंट किए। दीपावली मिलन समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला पदाधिकारी हलधर महमल्ला, मछुवारा संघ के प्रदेश कोषाध्यक्ष नेतराम निषाद, गुण्डरदेही संघ चालक इवन सिन्हा, आमऍमेन भीषम कुमार सिन्हा, बटरेल सशिमं प्रधानाचार्य द्वारिका साहू, समाजसेवी नरेंद्र धरमगुड़ी उपस्थित थे। मिलन समारोह ऊर्जा का संचार करती है

दीपावली मिलन समारोह में छत्तीसगढ़ योग आयोग अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा ने अपने हितैषी शुभचिंतकों का आभार प्रगट करते हुए कहा कि मेरे लिए राष्ट्रप्रेम और दायित्व निर्वहन सर्वोपरि है। उन्होंने कहा कि मुझे जो दायित्व मिलता है उसमें मेरे अपनों का असीम प्यार होता है। यही मेरी बहुत बड़ी ऊर्जा है जिसके सहारे अधिकाधिक लोगों के बीच जाकर उनका कुशलक्षेम जान सकूं अधिक से अधिक सहायता किया जा सके सतत प्रयास होता है। उन्होंने कहां कि

जामगांव आर की पावन भूमि में दशकों पूर्व से सेवा करने का अवसर मिला दशकों पूर्व के साथी इस मिलन समारोह में उपस्थित है यह सुखद अनुभूति का एहसास कराती है। मिलन समारोह का मर्म समझाती है। केवल और केवल रिश्ते नातों का योग करना सिखाती है। मिलन से मित्रता प्रगाढ़ होती है

मेल मिलाप से मित्रता प्रगाढ़ होती है : सिन्हा : कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त रूपनारायण सिन्हा ने कहा कि भारतीय संस्कृति से ओत प्रोत प्रत्येक पर्व आपसी मेल मिलाप भाईचारा को बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि मेल मिलाप सतत होते रहने से मित्रता प्रगाढ़ होती है और अनेकों बार दुश्मनी दोस्ती में बदल जाती है। भारतीय संस्कृति अनमोल है जहां माता पिता भगवान की तरह पूजे जाने की सीख मिलती है पत्नी अर्धांगिनी बनकर पूरा जीवन साथ निभाती है भगवान राम का आदर्श मर्यादा सीख बनती है।उन्होंने आग्रह किया कि संतान को संस्कार विरासत में अवश्य दे उनका राम लक्ष्मण भरत शत्रुघ्न बनना तय है। सिन्हा ने कहा कि तन मन को स्वस्थ रखने वाला योग भारतीय संस्कृति के आधार स्तंभ ऋषि महात्माओं की ही देन है।योग केवल तन को ही नहीं मन को भी निरोगी बनाती है।

सिन्हा ने किया समाजसेवी जैन का सम्मान

छत्तीसगढ़ योग आयोग अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा ने दीपावली मिलन समारोह अवसर पर 40 वर्षों से प्रिंट मीडिया 34 वर्षों से संस्कारित शिक्षा से क्षेत्र में निश्चल भाव से समाज की सेवा कर रहे छत्तीसगढ़ योग आयोग मार्गदर्शक मंडल सदस्य आसकरण जैन को उनके जामगांव आर निवास पहुंचकर दीपावली की बधाई देते हुए भेंट मंगलवार को सम्मान भेंट प्रदान किए। सिन्हा ने कहा कि वर्तमान समय में निस्वार्थ भाव से समाज सेवा करने वाले खास लोगो की सूची में जामगांव आर निवासी आसकरण जैन का नाम प्रामाणिक तौर पर जग जाहिर है। सिन्हा ने पूर्व प्रचारक हलधर महमल्ला को भी उनके समर्पित सेवा के लिए भेंट सम्मान प्रदान किए।

मातर मड़ाई मेला में उमड़ा उत्साह

ग्रामीण संस्कृति की झलक से गूंजा क्षेत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ बरबसपुर

दीपावली पर्व के पश्चात पारंपरिक रूप से आयोजित होने वाली गोवर्धन पूजा और राउत नाच के माध्यम से मातर मड़ाई मेला का भव्य आयोजन बरबसपुर में किया गया। इस सांस्कृतिक आयोजन में पूरे ग्रामवासियों सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों के लोग बड़ी संख्या में शामिल हुए। मेला स्थल लोगों की भीड़ से भरा रहा और पूरे क्षेत्र में लोक संस्कृति की रंगत देखते ही बन रही थी। जिला अध्यक्ष यादव समाज के धनी यादव ने जानकारी देते हुए कहा कि दीपावली के अगले दिन गौठान में गोवर्धन पूजा की जाती है, जिसके बाद मातर मड़ाई मेला प्रारंभ होता है। यह मेला यादव समाज की परंपराओं का जीवंत प्रतीक है। इसमें राउत नाच, दोहा-साखी और पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुनों के बीच युवा और बुजुर्गों ने मिलकर लोक संस्कृति का प्रदर्शन किया। उन्होंने बताया कि मातर मड़ाई का अर्थ है गाय-भैंसों की खुशहाली और गौवंश संरक्षण के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना। राउत नाच के माध्यम से ग्रामीणों ने भगवान गोवर्धन की पूजा का महत्व बताया और समाजिक एकता का संदेश दिया। मेले में स्थानीय कलाकारों ने आकर्षक झांकियां निकालीं, वहीं महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में पूजा-अर्चना कर मेला की शुरुआत की। पूरे ग्राम में उत्सवी माहौल देखने को मिला। ग्रामीणों ने बताया कि यह मेला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, परंपराओं और गोवंश के प्रति श्रद्धा प्रकट करने का पर्व है। मेले में बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी वर्गों की सहभागिता रही। लगातार घंटों तक चली राउत नाच की प्रस्तुतियों ने लोगों का मनमोह लिया। मेला समिति द्वारा ग्रामीण भोजन व्यवस्था, पारंपरिक खेल और सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। ग्रामीणों का कहना है कि दीपावली पर्व के बाद शुरू होने वाला मातर मड़ाई मेला अगामी कई दिनों तक इसी तरह हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा, जिसमें अन्य गांवों के लोग भी शामिल होंगे। इस सांस्कृतिक आयोजन ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि छत्तीसगढ़ की ग्रामीण संस्कृति आज भी अपनी परंपराओं के संरक्षण के प्रति जागरूक और समर्पित है।

जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती जी ने कवर्धा में मनाया दीपोत्सव

कवर्धा में महालक्ष्मी पूजन से गुंजायमान हुआ शंकरा भवन, दीपों की आभा में डूबा शहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

ज्योतिर्मठ बद्रीनाथ के पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती महाराज ने इस वर्ष छत्तीसगढ़ की धरती पर दिवाली का पर्व आध्यात्मिक उल्लास और वैदिक परंपराओं के साथ मनाया। राज्य शासन द्वारा उन्हें राज्य अतिथि का सम्मान प्रदान किया गया। शंकराचार्य के प्रवास से कवर्धा धर्म और अध्यात्म का केंद्र बन गया। शहर के कोने-कोने में दीपों की जगमगाहट के साथ वैदिक मंत्र ध्वनियां वातावरण को पवित्र करती रहीं। शंकरा भवन में महालक्ष्मी दीपावली पूजन बना मुख्य आकर्षण दीपावली की रात्रि में शंकरा भवन सीईओ चंद्र प्रकाश उपाध्याय निवास में भव्य महालक्ष्मी पूजन और रात्रि व्यापी आराधना का आयोजन हुआ, जिसमें शंकराचार्य स्वयं वेदाचार्यों के साथ उपस्थित रहे। भवन के प्रत्येक द्वार पर दीपों की लड़ी सजाई गई और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महालक्ष्मी का आवाहन कर छत्तीसगढ़ की उन्नति, समृद्धि और शांति का आशीर्वाद मांगा गया। पूरे परिसर में भक्तों के लिए चौबीस घंटे दर्शन की व्यवस्था रही। भजन-कीर्तन, वेदमंत्र और शंखनाद से वातावरण आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। दिव्य अलंकरण के साथ माँ महालक्ष्मी का महाअभिषेक किया गया। तत्पश्चात शंकराचार्य ने स्वयं भक्तों को पटाखा वितरण कर सभी के जीवन में प्रकाश और आनंद का संदेश दिया। विशेष उल्लेखनीय क्षण मध्यरात्रि में माँ काली मंदिर ठाकुरपार में वैदिक रीति से पूजा-अर्चना कर शंकराचार्य ने छत्तीसगढ़ की धार्मिक और सांस्कृतिक चेतना को और सशक्त करने का आह्वान किया। रात्रि भर शंकरा भवन में दीप आराधना, सहस्त्रनाम जप और महालक्ष्मी स्तोत्र पाठ होता रहा।

दीपावली पर कवर्धा में भव्य स्वागत और पालकी यात्रा

दीपावली के दिन शंकराचार्य के कवर्धा आगमन पर नीलकंठ चंद्रवंशी के नेतृत्व में सैकड़ों दुपहिया वाहनों की बाइक रैली निकाली गई। अशोक वाटिका में पादुकापूजन के बाद धर्मध्वज चौक पर विशाल धर्मध्वज पूजन संपन्न हुआ। इसके पश्चात ऐतिहासिक पालकी यात्रा निकाली गई, जो शहर के मुख्य मार्गों से होती हुई शंकरा भवन पहुँची। मार्ग में समाज के विभिन्न वर्गों, व्यापारी संघों और श्रद्धालुओं ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। पालकी यात्रा ने दीपावली के पर्व को आध्यात्मिक महोत्सव का स्वरूप प्रदान किया। गोवर्धन पूजा टाटीकसा में गौवंश संरक्षण का संदेश दिया व गोवर्धन पूजा के अवसर पर शंकराचार्य मीडिया प्रभारी अशोक साहू के गृह ग्राम टाटीकसा पहुँचे। गाँव की सीमा पर भक्तों ने बाइक रैली और वैदिक मंत्रों के साथ स्वागत किया। गौशाला में विशेष गौपूजन और पादुकापूजन के बाद शंकराचार्य ने कहा कि छत्तीसगढ़ की मिट्टी गौमाता की कृपा से समृद्ध है और इसका संरक्षण समाज का धर्म है।

गांव में आज भी गौरी-गौरा पर्व परंपरा के अनुसार धुमधाम से मनाया जाता है

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोलेगांव

विकासखंड पंडरिया के ग्रामीण क्षेत्र कोलेगांव भगतपुर मोहतरा कला कंझेटा सहित आसपास के गांव में छत्तीसगढ़ का परंपरा आज भी गांव में दीपावली के पावन पर्व पर गौरी-गौरा का उत्सव बड़ी धूमधाम से प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी गांव में देखने को मिला।

गांव में गौरी-गौरा का परंपरा के अनुसार के अनुसार रीति रिवाज से विधि विधान से पूजा अर्चना किया गया और गांव में सुख शांति समृद्धि के लिए कामना किया गया पूरे गांव में भ्रमण

किया गया जिसको एक झलक पाने के लिए गांव में उत्सव बना रहता है एवं गौरी-गौरा शिव पार्वती शंकर से अपने घर परिवार के सुख शांति के लिए कामना किया गया।

कृष्णा पुसाम बने छत्तीसगढ़ प्रदेश आदिवासी कांग्रेस के प्रदेश सचिव

कई कुकदूर। अखिल भारतीय आदिवासी कांग्रेस की अनुशंसा पर छत्तीसगढ़ प्रदेश आदिवासी कांग्रेस में ग्राम पुटपुटा निवासी कृष्णा पुसाम को प्रदेश सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति छत्तीसगढ़ प्रदेश आदिवासी कांग्रेस द्वारा तत्काल प्रभाव से जारी की गई है। नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि पुसाम कांग्रेस पार्टी के सिद्धांतों और नीतियों पर चलते हुए संगठन को मजबूत बनाने तथा आदिवासी समाज के हितों के लिए निरंतर कार्य करेंगे। साथ ही संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी समय-समय पर प्रदेश मुख्यालय को देंगे। कृष्णा पुसाम वनांचल क्षेत्र से जनपद सदस्य रह चुके हैं और लंबे समय से सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय हैं। उनकी नियुक्ति पर क्षेत्रवासियों, परिजनों और शुभचिंतकों ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी हैं।

खबर संक्षेप

बरबसपुर में दीपावली का त्योहार धूमधाम से मनाया गया

बरबसपुर। यह पर्व सोमवार और मंगलवार को मनाया गया। लोगों ने मिट्टी के दिए से घर आंगन द्वार तुलसी चौरा धार्मिक स्थल सामाजिक स्थल हैंडपंप, तालाब तथा खेत खलिहान और मुक्तिधाम पर दीप जलाकर सुख समृद्धि शांति मनोकामना के लिए प्रार्थना की गई और लक्ष्मी-गणेश की पूजा की, फल फूल नारियल मिठाईयों का प्रसाद आदान-प्रदान किया और पटाखे फोड़े गए दीपावली का पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया। इस वर्ष दीपावली पर्व भी दो दिन सोमवार व मंगलवार को मनाया गया ग्रामीण अंचलों में अधिकतर स्थानों पर सोमवार को दीपावली पर्व मनाया गया। कुछ स्थानों पर मंगलवार को भी दीपावली पर्व मनाया गया। इस अवसर पर लोगों ने लक्ष्मी-गणेश, कुबेर की पूजा अर्चना की गई लोगों ने मोबाइल के द्वारा एक दूसरे को दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते रहे तथा मिठाई व गिफ्ट भेंट भी किए। बच्चों ने रात में जमकर आतिशबाजी के साथ पटाखे जलाए वह बड़ी धुमधाम से दीपावली पर्व मनाए।

आदिवासी नौनिहाल बच्चों तथा महिलाओं ने पारंपरिक छत्तीसगढ़ी सुआ नित्य की दी शानदार प्रस्तुति

हरिभूमि बरबसपुर। दीपावली के दिनों रचते हैं गौरा-गौरी का विवाह पूरी रसम निभाई जाती है आज भी आदिवासी गोड समाज में परंपरा कायम है जानकारी के अनुसार दीपावली का त्यौहार इस वर्ष दो दिनों तक ग्रामीण अंचलों में मनाई गई कई गांव में 20 अक्टूबर को और कई गांव में 21 अक्टूबर को दीपावली का त्यौहार मनाया गया और धूमधाम से बच्चों से लेकर बुजुर्ग तक पटाखे जलाई गई और मां लक्ष्मी की पूजा पाठ कर दीप जलाकर शुभकामनाएं एवं सुख समृद्धि के लिए आशीर्वाद मांगी गई जानकारी के अनुसार दीपावली के दिन आदिवासी गोंड समाज में गौरा गौरी की विवाह की पुरी रसम की जाती है जो बाजा गाजा के साथ चुलमाटी निकली जाती है और मिट्टी लाकर घर में गौरी-गौरा की मूर्ति बनाकर रात भर गौरी-गौरा की विवाह रचकर पूरी रसम की गई गौरा-गौरी की बारात निकाली गई और पूजा पाठ विधि विधान से की गई जिसे आदिवासी गोड समाज द्वारा आज भी कायम परंपरा बनी हुई है और सुबह होते ही गौरी-गौरा की विशाल रैली गांव के चौक चौराहे गली और धार्मिक स्थलों में भ्रमण किया गया। तब गौरा-गौरी की विसर्जन किया गया इसे लेकर आदिवासी समाज में उत्सव एवं जुनून बना रहा जिसे गौरा गौरी का अंतिम विसर्जन कर सुख समृद्धि शांति की मनोकामना की आशीर्वाद मांगे और यह देखने को ग्राम दौजरी सिंघनपुरी सारंगपुर खुर्द घुकसा में देखने को मिला।

पेज 9 के शेष

दीपावली के कारण बसों ...

की ट्रेनें अपने निश्चित समय पर चलेंगी, पर सीटें मिलना आसान नहीं है। अंतागढ़ से ट्रेन सुबह 6:13 बजे,दल्लीराजहरा से सुबह 6:50 बजे,ताड़ोकी से दोपहर 12:10 बजे इन ट्रेनों के 2 से 5 मिनट बाद दुर्ग और रायपुर के लिए प्रस्थान की संभावना है। दीपावली के अवसर पर दूसरे जिलों और राज्यों में काम करने वाले लोग अपने घर लौट रहे हैं, जिससे ट्रेन और स्टेशन दोनों पर भारी भीड़ देखी जा रही है। **ग्रामीण यात्रियों को सलाहः** बसों के संचालन में अनिश्चितता को देखते हुए यात्रियों को ट्रेन का टिकट पहले से बुक करने और यात्रा से पहले स्टेशन पर पहुंचकर समय की पुष्टि करने की सलाह दी गई है।

पुरानी रंजिश में युवक ...

गाली देते धमकी देते हुये कुलदीप हाथ मुक्का एवं लात से मारपीट किया एवं सिब्बू विलिम्यसन ने अपने पास रखे धारदार वस्तु से मारपीट किया, जिससे मेरे बेटे मनीष टंडन को बांये पेट एवं कमर के बांय दांहिने तरफ, पीठ पीछे एवं बांये हाथ में कटने का निशान है खून निकल रहा है।

तितरी में दिली दिवाली मिलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गूंजा गांव

हरिभूमि न्यूज ⏭ कवर्धा

रेंगाखार कला वनांचल 21 अक्टूबर को ग्राम पं. तितरी में मंगलवार को सत्यमेव जयते जनकल्याण समिति कवर्धा के बैनर तले दिल्ली दिवाली मिलन एवं सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से पंचायत सरपंच श्रीमती बीरोबाई अंतराम मेरावी के हाथों दीप प्रज्वलन से किया गया। व्यवस्थापना का दायित्व समिति के अध्यक्ष देवसिंह धुर्वे एवं उनकी टीम ने संभाला। जबकि मंच संचालन का कार्य लालसिंह मरकाम और प्रदीप परते मीडिया प्रभारी ने किया। दीपावली को और खास बनाने के लिए दिनभर कई मनोरंजक खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें बालक वर्ग 100 मीटर दौड़ में प्रथम रंजीत कुमार कुशरे एवं द्वितीय विश्वराज मेरावी, बालिका वर्ग

100 मीटर दौड़ में प्रथम अनुराधा मरकाम तथा द्वितीय रेशमा परते, बालक वर्ग 200 मीटर दौड़ में प्रथम कमलेश धुर्वे एवं द्वितीय गजानंद साहू, विवाहित महिलाओं के लिए कुर्सी दौड़ प्रतियोगिता में प्रथम रमिला बाई व द्वितीय ममता बाई धुर्वे, रिकॉर्डिंग डांस प्रतिस्पर्धा में प्रथम मनीषा कुशरे तथा द्वितीय तनीषा कुशरे एवं भागेश्वरी मरकाम रहे। सभी प्रतियोगिता के प्रथम विजेता को पटवारी श्रीमान हरलाल ध्रुव के द्वारा 251 रूपए एवं द्वितीय विजेता को समिति के द्वारा 151 रुपए नगद राशि से पुरस्कृत किया गया। इसके अलावा सभी प्रतियोगिता में पंचायत परिवार द्वारा 100 रूपए अजय तुरकर द्वारा 50 रूपए हिगलेंश पटले द्वारा 50 रूपए और सुनील पटले द्वारा 50 रूपए तथा प्रबंधन समिति के द्वारा 50 -50 रुपए की निश्चित पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। सभी प्रतिभागी हर्षोलासित थे। समिति के इस पहल से पंचायत में दिन-भर खुशियों का माहौल बनी रही। पंचायत वासियों ने समिति के इस पहल की खूब सराहना की। गांव की महिलाओं के लिए पारंपरिक नृत्य सुआ व कर्मा नृत्य का आयोजन भी किया गया। इस अवसर पर उप सरपंच श्रीमती पुष्पा सुरेंद्र धुर्वे, पं. सचिव श्रीउपदेश मेरावी, प्रधानपाठिका श्रीमती मीरा पटले, प्रधानपाठक लक्ष्मण सिंह धुर्वे, सुंदर सिंह मेरावी, फारेस्ट गार्ड सुश्री बिम्लेश्वरी मरकाम, बीएलओ श्रीमती हेमेश्वरी क्षीरसागर, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सुश्री बिंदु मेरावी, श्रीमती कली मेरावी समिति सदस्य सुनील मेरावी, पुष्पेंद्र धुर्वे, संतोष कुशरे, हनुक मरकाम, गणमान्य नागरिक सुनील पटले, अजय तुरकर, हिंगलेश पटले, शंकर पटले सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं बच्चे उपस्थित थे।

सिद्धीविनायक नवजात शिशु एवं बालरोग हॉस्पिटल
अम्बेडकर चौक के पास, रूद्री रोड, धमतरी (छत्तीसगढ़)
आयुष्मान भारत कार्ड द्वारा निःशुल्क इलाज की सुविधा
डॉ. विजय रावत
(MBBS/DCH)
नवजात शिशु एवं बालरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक चंडीगढ़
14 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त नवजात शिशुओं का
A/C प्राइवेट रूम की व्यवस्था एवं Ventilator की सुविधा
Multi Para Monitors / Bubble CPAP
Warmer Led Photo Therapy पीलिया के ईलाज के लिए
Centralized Oxygen एवं Suctioning की व्यवस्था
State of the art NICU including care for Preterm, Term
वातानुकुलित बच्चों का वार्ड
Low Birth Weight, Septic & Very Serious Newborn
प्रतिदिन समस्त टीकाकरण का उपलब्धता
24 घंटे पैथोलॉजी, फार्मेसी, X-Ray की सुविधा उपलब्ध
मो. 9981321524/7223011528
समय : सुबह 10.30 से शाम 9 बजे (रविवार शाम बंद)

HEALTH TOWN

आयुर्वेदिक कैंसर क्लिनिक
सभी तरह के कैंसर का बिना साइड इफेक्ट के आयुर्वेद एवं पंचकर्म द्वारा संपुर्ण ईलाज
Dr. Rituraj Taank
B.A.M.S.
Nadi vaidya
Sri Sri tattva
Bangalore
पता: चरक हैल्थ क्लिनिक, दुबे कालोनी, मोवा, रायपुर (छ.ग.), 9926644448, 9630053692
विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

गोवर्धन पूजा की व गौरा-गौरी की शोभायात्रा निकाली

गुरूर। क्षेत्र मे दीपोत्सव के अवसर पर ग्रामो में गौरा गौरी शोभायात्र निकाला गया। गोवर्धन पूजा के अवसर पर ग्रामो कें गौठानो में गौ माता की पूजा की गई डांग डोरी व बाजे गाजे के साथ राउत समाज द्वारा गायो मे सोहई बांधने के बाद ग्राम के सांहड़ा देव में गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया।

ग्राम चीचा में मनाया गया गोवर्धन पर्व

अंडा। ग्राम चीचा (अर्जुन्दा) में धूमधाम से मनाया गोवर्धन पूजा को, गांव के सरपंच कासी राम साहू ने सभी गांव वासियों दीपावली, गोवर्धन पूजा,मातर, भाई दूज की बंधाई दी। और कहा कि सभी लोग एकजुटता होकर मातर उत्सव को मनायेगे।

दिवाली के बाद अंचल में मड़ई-मेले की तैयारी शुरू

लाटाबोड़। दीवाली पर्व के बाद से ग्रामीण क्षेत्र में मड़ई मेले का दौर शुरू हो जाता है। जहां अधिक लोगों का जुड़ाव है वहां दो से तीन दिन व जहां सीमित गांव है वहां एक दिन यह आयोजन किया जाता है। मड़ई आदिवासी, यादव समाज के लिए खास होता है जिनके द्वारा चंडी पूजा के साथ मड़ई का शुभारंभ किया जाता है। इसके साथ ही ग्रामीण मड़ई में मनोरंजन के साथ आवश्यक वस्तुओं की खरीदी भी करते हैं। भाई दूज से मड़ई लगी शुरू हो जाती है। जो महाशिवरात्रि तक चलता रहता है। जिले में एक सैंकड़ो से अधिक मड़ई मेले का आयोजन होता है। वर्षों से संचालित मड़ई मेला का उद्देश्य पूर्व में सिर्फ मनोरंजन ही नहीं रहा है। जानकारों के अनुसार मड़ई मेलों का आयोजन गोंडवाना काल से हो रहा है। धार्मिक के साथ सामाजिक मेल मिलाप व सांस्कृतिक लोकाचारों को जीवत रखने के उद्देश्य के साथ ही स्थानीय व्यापारियों, छोटे दुकानदारों, फेरी वालों को रोजगार का अवसर होता है अब मड़ई से रिश्ते जोडने का काम भी कर रहे हैं। विवाह योग्य युवक युवतियों को देखने के लिए माता पिता मड़ई में एक दूसरे के गांव पहुंचे हैं। देव उठनी एकादशी के बाद से वैवाहिक कार्यक्रम भी शुरू हो जाते है।

पुलिस स्मृति दिवसः वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

राजनांदगांव। रक्षित आरक्षित केन्द्र राजनांदगांव में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर भारत माता की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर शहीदों की याद में शहीद दिवस परेड का आयोजन किया गया।

निधन

जहजीत साहू

लाटाबोड़। ग्राम लाटाबोड़ निवास जहजीत साहू 95 वर्ष का निधन 22 अक्टूबर बुधवार क़ो हो गया है उनका अंत्योशठी ग्राम के मुक्तिधाम मे किया गया वे श्यामलाल सीताराम खिलावन साहू के पिता थे।

गौरा-गौरी विवाहोत्सव मनाया, गड़वा बाजे की धुन पर पारंपरिक ढंग निकाली गई शोभायात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| लाटाबोड़

दीपावली पर्व अपने विशेष तौर तरीकों से मनाया जाता है। यहां दीपावली को सुरहोती यानी उत्सव की शुरुआत के रूप में जाना जाता है। सुरहोती की रात को जहां लोगों ने लक्ष्मी पूजा की और दिवाली मनाया तो वही गोंड समुदाय इस दिवस पर विशेष रूप से गौरा गौरी का विवाह आयोजित करता है।

गांव गांव में भगवान शिव (गौरा) और माता पार्वती (गौरी) का विवाह कराया गया। सारी रीति-रिवाज के साथ यह विवाह संपन्न कराया जाता है। रात भर आयोजन होते हैं। गौरा गौरी जगाने, विवाह करने आदि की रस्म निभाई जाती

आदिवासी समुदाय सहित अन्य वर्ग के लोगों ने भी कार्यक्रम बड़ी संख्या में शामिल हुए

मूर्ति बनाने नदी किनारे से मिट्टी लाई

दीपावली को दोपहर में गांव के लोग बाजे गाजे के साथ तालाब य नदी किनारे जाते हैं और वहां से कुंवारी मिट्टी और जल लाते हैं। बैगा द्वारा भूमि पूजा और जल देवी की पूजा करने के बाद मिट्टी खोदी जाती है। लक्ष्मी पूजा के बाद मध्य रात्रि में इस कुंवारी मिट्टी से शिव (गौरा) और पार्वती (गौरी) की मूर्ति बनाई जाती है। गौरा को बैल की सवारी पर विराजमान करते हैं और गौरी को कछुए की सवारी पर स्थापित करते हैं। इन मूर्तियों को लकड़ी के आसन पर रखा जाता है और सुंदर रंगो, चमकीली कागजों, फूलों और दीपों से सजाया जाता है। दीपावली की रात्रि में विवाह की तरह सभी रस्मे निभाई जाती है। गौरा की ओर से ग्रामीण गौरी के घर बारात लेकर जाते हैं और गौरी के पक्ष से बारात का स्वागत किया जाता है। बैगा (पुजारी) द्वारा पूरी रात विधि विधान से विवाह संपन्न कराया जाता है और रात भर भक्तजन जाग कर गौरा गौरी की गीत गाते हैं और पूजा अर्चना करते हैं।

श्रद्धालुओं ने कोड़े की मार खाई

गौरा गौरी पूजा के दौरान एक विशेष परंपरा है, जिसमें कुश घास से बने सोंटे (को) से लोगों की कलाइयों पर मारा जाता है। यह भगवान का आशीर्वाद और प्रसाद माना जाता है। और लोक विश्वास है कि इससे सभी प्रकार की परेशानियां और दुख दर्द दूर होते हैं। मान्यता है कि इस दौरान कुछ व्यक्तियों पर देवी देवता का अवतरण होता है और ऐसे व्यक्ति अत्यंत जोश में नृत्य करते हैं। जिसे लोग देवी आशीर्वाद मानते हैं।

है। फिर सुबह गांव में आतिशबाजी और गड़वा बाजा के साथ आदिवासी नृत्य करते हुए लोग गौरा गौरी का विसर्जन करते हैं। इस क्रम में बालोद ब्लॉक के ग्राम जगन्नाथपुर में भी ऐसा ही आयोजन हुआ। गड़वा बाजा के नेतृत्व में गांव के नया तालाब में मंगलवार को सुबह 7 बजे गौरा गौरी का विसर्जन हुआ। जिसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। इसके पूर्व गौरा चौरा स्थल से तालाब तक बाजे गाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। समाज की युवतियों और महिलाओं ने जमकर आदिवासी नृत्य किया। लोक मान्यता है कि यह उत्सव पौराणिक कथा से प्रेरित है। जिसमें शिव पार्वती का विवाह धूमधाम से संपन्न हुआ था ।

चिखलाकसा, दल्लीराजहरा सहित ग्रामीण अंचल में श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया गोवर्धन पर्व

गोवर्धन उत्सव में किया अन्नकूट, गायों की पूजा की, खिचड़ी खिलाई और सोहई बांधी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दल्लीराजहरा

दीपावली के दूसरे दिन मनाया जाने वाला गोवर्धन पूजा पर्व इस वर्ष भी अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों में धार्मिक आस्था, परंपरा और उल्लास के साथ मनाया गया। चिखलाकसा, साल्हे, सिघनवाही, कोकान, बोरगांव, ठेमाबुजुर्ग, अरमुरकसा, पथराटोला, कुसुमकसा और डौंडी सहित आसपास के गांवों में गौ माता की पूजा-अर्चना और गोवर्धन पर्वत की प्रतीकात्मक स्थापना की गई।

गौ पूजन और गोवर्धन परिक्रमा से गूंजे गांव

ग्रामीणों ने परंपरागत रीति-रिवाजों के अनुसार गोबर से गोवर्धन पर्वत का निर्माण कर विधि-विधान से पूजा की। महिलाएं और बालिकाएं गीत गाते हुए गोवर्धन की परिक्रमा करती नजर आईं। श्रद्धालुओं ने गौ माता और भगवान श्रीकृष्ण से सुख-समृद्धि और उत्तम वर्षा की कामना की। कई घरों में सुबह से ही पूजा-पाठ और दीप सजावट की गूंज सुनाई दी। आतिशबाजी से चमका चिखलाकसा, उमड़ा उत्सव का माहौल,,चिखलाकसा में शाम को शानदार आतिशबाजी की गई, जिससे पूरा गांव रोशनी से जगमगा उठा। बच्चों और युवाओं ने पटाखे जलाकर पर्व का आनंद लिया। आसपास के गांवों से भी लोग इस आयोजन को देखने पहुंचे। ग्रामीणों ने बताया कि गोवर्धन पूजा अन्नकूट पर्व का प्रतीक है, जो अन्नदाता भगवान श्रीकृष्ण और गौ माता के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है।

अन्नकूट में उमड़े सैकड़ों श्रद्धालुओं का हुजूमः कई गांवों में सामूहिक अन्नकूट आयोजन भी किया गया, जिसमें घर-घर से व्यंजन और प्रसाद लाकर सामूहिक भोज किया गया। गांव की महिलाओं ने विविध प्रकार की मिठाइयाँ, सब्जियाँ और अन्न का प्रसाद तैयार किया, जिसे सभी ने मिल-बाँटकर ग्रहण किया। इस अवसर पर गांवों में आपसी भाईचारे, सौहार्द और एकता का सुंदर दृश्य देखने को मिला। भजन-कीर्तन और झांकी से सजा धार्मिक वातावरण,,,गोवर्धन पर्व के मौके पर कई मंदिरों में भजन-कीर्तन, कथा-वाचन और श्रीकृष्ण झांकी का आयोजन किया गया। बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का सुंदर मंचन किया। श्रद्धालु देर रात तक भक्ति भाव से झूमते रहे। ग्रामीणों ने कहा कि यह पर्व केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि प्रकृति और पशुधन के प्रति आभार व्यक्त करने का पर्व भी है।

परंपरा और आस्था से रोशन हुआ अंचल

दीपावली के बाद मनाया जाने वाला यह पर्व ग्रामीण संस्कृति, सामाजिक समरसता और प्रकृति प्रेम का प्रतीक है। इस दिन पूरे अंचल में "गोवर्धन महाराज की जय" और "गौ माता की जय" के जयकारों से गूंज उठे। ग्रामीणों ने दीप प्रज्वलन कर गांव की गलियों, चौपालों और मंदिरों को सजाया। चिखलाकसाके ग्रामीणों ने बताया – यह पर्व हमारी कृषि संस्कृति की आत्मा है बुजुर्गों ने बताया कि गोवर्धन पूजा का संबंध कृषि, जल, पशुधन और अन्न के प्रति सम्मान से जुड़ा हुआ है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि प्रकृति और पशुधन हमारी जीवन रेखा हैं, जिनका संरक्षण हमारी परंपरा की पहचान है।

आस्था और उल्लास के संग समाप्त हुआ पर्व

दिनभर के आयोजन के बाद रात्रि में ग्रामीणों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। पूरे क्षेत्र में धार्मिक भावना, उल्लास और दीपों की रोशनी से सजी वातावरण ने गोवर्धन पर्व को अविस्मरणीय बना दिया। गोवर्धन पर्व ने अंचल में परंपरा, भक्ति और भाईचारे का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया — हर ओर गूंजे जयकारे, और जगमगा उठे गांव।

चुल्हापथरा गौशाला में गोवर्धन पूजा की और प्रदर्शनी लगाई

गुरूर। श्री कृष्ण गोपाल गौशाला चुल्हापथरा में गोवर्धन पूजन किया गया। इस दौरान जैविक कृशि को प्रोत्साहित करने के लिए प्रदर्शनी भी लगाई गई एवं जैविक खाद एवं जैविक कीट नियंत्रक के संबंध मे जानकारी दी गई। गौशाला में प्रातः गोवर्धन की पूजा की गईं, खिचड़ी एवं हरे चारे का भोग लगाया गया एवं गौमाता की आरती कर गोवर्धन खुंदवाया गया। गौ माता को गौ भक्तो ने अपने हाथो से गुड़ का भोग लगाया। शासन के निर्देशानुसार पशु धन जागृति अभियान के तहत पशु मेला, पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया एवं पशु चिकित्सा विभाग द्वारा विभागीय योजनाओ की जानकारी दी गई।

गोवर्धन पूजा पर अन्नकूट का किया आयोजन, गौमाता की किया श्रृंगार

अंडा। गाय-बैल को खिचड़ी खिलाने के लिए विशेष रूप से तैयारी की जाती है। गांव में गाय-बैल की पूजा के लिए सप्ताह भर पहले ही तैयारी शुरू होती है जिसमें गाय-बैल के गले एवं सींग आदि में बांधने के लिए सजावट की चीजें बाजारों से खरीद कर लाते हैं। गोवर्धन पूजा के दिन सुबह से ही खिचड़ी की तैयारी होती है, खिचड़ी में कुम्हड़ा, बरबटी, कोचई, अरबी, शकरकंद एवं अन्य प्रकार के कंदमूल विशेष रूप से डाले जाते हैं। गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र के मोहदीपाट, ओडारसकरी, मटिया, देवगहन, चीचा, गोरकापार, भिलाई, डंगनिया, परसदा, डौकीडीह, नाहंदा, गुरेदा, सलौनी, देवरी ख, खप्परवाडा, ओटेबंद, सिरसिदा सहित अन्य जगह भी धूमधाम से गोवर्धन पर्व मनाया। गाय-बैल को खिचड़ी का भोग खिलाया जाता है तत्पश्चात वहीं से गाय बैल का जूठन ग्रहण करने के पश्चात ग्रामीण भोजन करते हैं। गाँवों में दीवाली का सबसे प्रमुख पहलू गोवर्धन पूजा, गौरी- गौरा पूजा और गौ-पूजा होता है। पशुधन, विशेष रूप से गायों का, यहाँ के ग्रामीण जीवन में खास महत्व है। गोवर्धन पूजा के दिन किसान अपनी गायों को नहलाते हैं, उन्हें रंग-बिरंगे कपड़े, फूलों की माला और घंटियाँ पहनाते हैं। इसके बाद उनकी पूजा की जाती है, और पशुओं को खिचड़ी भी खिलाते हैं। गाय जो समृद्धि और धन-धान्य की प्राप्ति का प्रतीक है। गाँवों के लोग मानते हैं कि पशुधन के संरक्षण और उनकी सेवा से ही फसलें अच्छी होती हैं और परिवार में सुख- शांति आती है।

मिट्टी के दीयों का बहुत महत्व

हमारे ग्रामीण दीवाली में मिट्टी के दीयों का बहुत महत्व है। लोग घर के आँगन, खलिहान, और मंदिरों में दीये जलाते हैं, जो अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक होते हैं। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में पटाखों का प्रचलन कम होता है, और ज़्यादातर लोग पारंपरिक तरीकों से उत्सव मनाते हैं।

दीपदान कर देते है शुभकामनाएं

इसके अलावा, गाँवों में एक-दूसरे के घर जाकर दीपदान कर के शुभकामनाएँ देते हैं, मिठाइयों का आदान-प्रदान करते हैं, और गौरी - गौरा लोक गीत एवं नृत्य के माध्यम से दीवाली का जश्न मनाते हैं। हमारे गाँवों में दीवाली का यह उत्सव सामूहिकता, सादगी और प्रकृति के साथ सामंजस्य का जीवंत उदाहरण है।

दीपावली पर दीपमालाओं से सजी नगरी धन की हुई वर्षा, करोड़ों का हुआ कारोबार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दल्लीराजहरा

दीपावली की रात दल्लीराजहरा ने सचमुच सोने की तरह दमक उठी। चारों ओर दीपों की कतारें, रंगोली की सजावट और झिलमिलाती झालरें शहर को स्वर्ग समान बना रही थीं।घर-घर में मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और कुबेर की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई।

लोग नए वस्त्र धारण कर परिवार संग दीप प्रज्वलित करते नजर आए। दल्लीराजहरा बाजार में उछला सोना — व्यापारियों के चेहरे खिले इस दीपावली पर दल्लीराजहरा का बाजार इतिहास रच गया। सुबह से देर रात तक सड़कों पर खरीदारों का सैलाब उमड़ा रहा।सोना-चांदी, बर्तन, कपड़ा, इलेक्ट्रॉनिक्स, वाहन और पटाखों की बिक्री ने सारे पुराने रिकॉर्ड तोड़ दिए। व्यापारिक संगठनों के अनुमान के अनुसार शहर में करोड़ों रुपए का कारोबार हुआ, वहीं कई प्रमुख व्यापारियों ने बताया कि इस बार की दीपावली में बिक्री अरबों रुपए के आंकड़े तक पहुंच गई। सड़कों पर उमड़ा जनसागर — हर दिशा में भीड़ का सैलाब,,बाजारों में इतनी भीड़ रही कि पैर रखने की जगह तक नहीं थी। बस स्टैंड, न्यू मार्केट शास्त्री बाजार, गुप्ता चौक रोड, स्टेशन रोड, मुख्य चौक और सुभाष चौक क्षेत्र में देर रात तक जाम की स्थिति बनी रही। पुलिस और ट्रैफिक जवानों को भीड़ नियंत्रित करने में पसीने छूट गए, पर लोगों के चेहरे पर दीपावली का उल्लास बरकरार रहा।

आसमान में आतिशबाजी धरती पर खुशी की लहर

शाम होते ही आसमान रंग-बिरंगी रोशनी से जगमगा उठा। पटाखों और आतिशबाजी की चमक ने शहर को और भी आकर्षक बना दिया। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी के चेहरे पर खुशी छलकती नजर आई। दीपों की रोशनी में दल्लीराजहरा सचमुच "खुशियों का शहर" बन गया।

श्रद्धा और समृद्धि का संगम

पूरे शहर में धार्मिक आस्था और आर्थिक समृद्धि का अद्भुत संगम देखने को मिला। दुकानदारों ने मां लक्ष्मी के प्रति आभार जताया और नागरिकों ने इस पर्व को सौहार्द व खुशी के साथ मनाया। दल्लीराजहरा की दीपावली इस बार सिर्फ रोशनी का नहीं, बल्कि समृद्धि का उत्सव बन गई।

हिमाचल साहसिक शिविर के लिए दिव्या का चयन

गुरूर। शासकीय महाविद्यालय गुरुर से दिव्या देशलहरे का हिमाचल प्रदेश साहसिक शिविर में सहभागिता हेतु चयन हुआ है।24 अक्टूबर से 2 नवंबर 2025 तक आयोजित होगा।

स्व. डारन बाई तारम शासकीय महाविद्यालय गुरुर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयं सेविका दिव्या देशलहरे का हिमाचल प्रदेश में आयोजित साहसिक शिविर में सहभागिता प्रदान करने हेतु हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग की ओर से अटल बिहारी वाजपेई वि"व विद्यालय बिलासपुर संगठन व्यवस्था में भागीदारी देंगे। इस शिविर में चयनित दिव्या मेरा युवा भारत में पंजी—त है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर केएल रावटे द्वारा दिव्या को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित किये। पूर्व कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर रोहित कुमार सोरी तथा वर्तमान राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर गौसेवक देवांगन व प्रोफेसर लेखराम हिरवानी, डॉ.योगेन्द्र कुमार ध्रुवे, प्रोफेसर एस जोशी, प्रोफेसर प्रज्ञा कोरपे, प्रोफेसर डीके बारसेल, प्रोफेसर टीएस साहू प्रोफेसर, एचएस दीवान, प्रोफेसर सुमन साहू, डॉ नजमा बेगम, प्रोफेसर प्रेमचंद साहू एवं महाविद्यालय के समस्त अधिकारी व कर्मचारियों ने चयनित प्रतिभागी कुमारी दिव्या को हर्श व्यक्त किये। कार्यक्रम अधिकारी प्रोफेसर गौसेवक देवांगन ने बताया कि इस शिविर में सहभागिता प्रदान करने से उनके व्यक्तित्व विकास के साथ कौशल विकास पर्यावरण संरक्षण तथा सामाजिक एवं नैतिक जिम्मेदारी के साथ समाज को एक नई दिशा प्रदान करने का अवसर मिलता है।

श्री बाबा रामदेव मंदिर में आज चंद दर्शन आरती

बालोद। श्री बाबा रामदेव मंदिर में 23 सितंबर को संध्या 7:30 बजे से चंद्रदर्शन महा आरती का आयोजन संपन्न होगा। गुरुवार दोपहर 12 बजे बाबा रामदेवजी की आरती के पश्चात अन्नकूट भोग लगाया जाएगा। सभी भक्तों से निवेदन है कि अन्नकूट प्रसाद हेतु अपने साथ टिफिन लेकर पधारे। श्री बाबा रामदेव धर्मार्थ सेवा समिति ने समस्त धर्म प्रेमी बन्धुओं से आरती में शामिल होने का निवेदन किया है।

तुरंत आराम के लिए
तुलसी आयुर्वेदिक चिकित्सालय
पता - तुलसी निवास, बस स्टैंड के पीछे, उपाध्याय नर्सिंग होम के सामने, धमतरी मो.नं. : 9993010732
लकवा रोग, वातरोग - सभी प्रकार के दर्द, गठियाबात, साइटिका, झुनझुनी वात, कमरदर्द, घुटना दर्द, अकड़न, नस रोग का इलाज
चर्मरोग - दाद, खुजली, बेमची, मुंह में छाला होना का इलाज
पेट रोग - कब्ज, गैस, भूख न लगना, खट्टी डकार आना का इलाज
बवासीर - मस्सा होना, खून निकलना, खुजली होना का इलाज
पुरूष रोग - धातुस्राव, शीघ्रपतन व कमजोरी का इलाज
स्त्री रोग - ल्यूकोरिया, सफेद पानी आना, मासिक रुकावट का इलाज
बुखार, खांसी, स्वांसरोग, मूत्ररोग, केशरोग, दांतरोग का इलाज

जिपं अध्यक्ष व उपाध्यक्ष तथा सदस्यों ने बुजुर्गों के बीच बांटी खुशियां

वृद्धाश्रम में मनाई दिवाली, बुजुर्गों को खिलाई मिठाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बालोद

इस वर्ष दीपावली का पर्व बालोद जिला मुख्यालय स्थित वृद्धाश्रम में एक विशेष और भावनात्मक माहौल में मनाया गया। जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेंद्र चंद्राकर, उपाध्यक्ष तोमन साहू और जिला पंचायत सदस्यों ने अपने अपने परिवारों से दूर रह रहे बुजुर्गों के साथ खुशियों का त्योहार दीपावली मनाया, जिससे सभी बुजुर्ग बेहद भावुक हो उठे।

रोशनी के इस पर्व पर, जिला पंचायत की टीम बालोद जिला कलेक्टर कार्यालय के निकट स्थित वृद्धाश्रम पहुंची, जहां उन्होंने बुजुर्गों के साथ मिलकर दीये जलाए और पूरे आश्रम में रह रहे बुजुर्गों का मुंह

मीठाकर दीपावली पर्व की बधाई दी। जिला पंचायत अध्यक्ष तारणी पुष्पेंद्र चंद्राकर और सदस्यों ने स्वयं अपने हाथों से सभी बुजुर्गों को मिठाई, फल और उपहार भेंट किए। इस अवसर पर, जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि दीपावली केवल घरों में मनाने का त्योहार नहीं है, यह प्रेम, स्नेह और संवेदनाओं को साझा करने का पर्व है। हमारे ये वरिष्ठ नागरिक समाज की धरोहर हैं, और उनके चेहरे पर मुस्कान देखना ही हमारी सबसे बड़ी खुशी है। बुजुर्गों ने जिला पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों के इस आत्मीय प्रयास की सराहना की। कई बुजुर्गों की आंखें नम हो गईं, उन्होंने कहा कि उन्हें लगा जैसे उनके अपने बच्चे उनके साथ दिवाली मना रहे हों। बुजुर्गों ने सभी को दिल खोलकर आशीर्वाद दिया और उनके लंबे व सफल जीवन की कामना की। यह दीपावली आश्रम के बुजुर्गों के लिए एक अविस्मरणीय और भावनात्मक अनुभव बन गई, जिसने सामाजिक सरोकार की एक नई मिसाल कायम की। इस दौरान जिला पंचायत सदस्यगण मिथलेस नुरेती, तेजराम साहू, गुलशन चंद्राकर, राजाराम ताराम, चंद्रिका साहू, प्रभा नायक, चुन्नी मानकर, कांति सोनेश्वरी, लक्ष्मी साहू, नीलिमा श्याम, मीना साहू, पूजा वैभव उपस्थित थे।